हरित विद्यालय/ स्वच्छ विद्यालय- रिपोर्ट

उधमपुर खूबसूरत पहाड़ियों से घिरी प्रकृति की गोद में स्थित है। विद्यालय परिसर की सुंदरता को बढ़ाने के लिए छात्रों और विद्यालय के शिक्षकों ने समय-समय पर विभिन्न तरीकों से योगदान दिया।

विद्यालय सुंदर पौधों और पेड़ों की प्रजातियों से भरा हुआ है, जिसमें इंडियन गूसबेरी, शहतूत के पेड़, कॉनिफ़र और पाइंस शामिल हैं जिन्हें नेचर क्लब के छात्रों द्वारा नियमित रूप से बनाए रखा गया है जिसमें पौधों को पानी देने के साथ-साथ पौधे लगाना और रखरखाव करना भी शामिल है।

प्लांटेशन ड्राइव

सितंबर के महीने में छात्रों द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया जिसमें प्रत्येक कक्षा के छात्रों को सजावटी, फूल, औषधीय पौधों और पेड़ों सहित पौधों को लाने के लिए कहा गया था जो पूरे स्कूल में लगाए गए थे और स्वयं बच्चों द्वारा बनाए रखा गया था। छात्रों के बीच और विद्यालय परिसर में रोपण के लिए माता-पिता के सहयोग से लगभग 250 पौधे वितरित किए गए।

ग्रीन स्कूल के पाठ्यक्रम में भागीदारी केवी .1, उधमपुर के छात्रों ने अक्टूबर के महीने में देश भर में केंद्रीय विद्यालय द्वारा आयोजित ग्रीन स्कूल प्रतियोगिता में भाग लिया, जहां छात्रों ने विद्यालय के सौंदर्यीकरण के लिए निम्नलिखित गतिविधियां की:

• कैंटीन से जैविक अपशिष्ट जैसे अपशिष्ट उत्पादन स्रोतों का विश्लेषण करना और इसे पौधों में इस्तेमाल होने वाली खाद में परिवर्तित करना।

• संसाधनों के अपव्यय को कम करने के लिए पुन उपयोग के लिए डिस्पोजल स्टेशनरी का : उपयोग करना।

• स्कूल में डस्टबिन की संख्या की गिनती करना और उन क्षेत्रों में अधिक रखना जहां वे गायब थे और आवश्यक थे।

• प्रत्येक कक्षा कक्ष में ट्यूब लाइट, बल्ब और पंखे की संख्या की जाँच करना और बिजली के उपयोग की गणना करके बिजली के उपयोग को कम करने और बचाई गई बिजली की इकाइयों की संख्या की गणना करना।

- स्कूल में हरित क्षेत्रों का रख-रखाव और विकास के साथ-साथ और अधिक पेड़ लगाना और स्कूल परिसर में और उसके आसपास ग्रीन बेल्ट का निर्माण करना।
- पानी का संरक्षण और स्कूल के सभी जल बिंदुओं में पानी की बर्बादी को कम करना।

• उपरोक्त गतिविधियों के अलावा, छात्रों ने पर्यावरण की रक्षा के लिए अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाली विज्ञान प्रदर्शनी में भी भाग लिया। ग्रीन आपका स्कूल जागरूकता कार्यक्रम एलईडी बल्बों के उपयोग से ऊर्जा दक्षता को कम करना, कक्षा से बाहर जाते समय स्विच को बंद करना, पेड़ लगाना, कचरे को कम करना, प्लास्टिक को कम करना आदि भी इस अभियान का हिस्सा हैं। मुख्य अतिथि के स्वागत के लिए ग्रीन वेलकम आपके स्कूल कार्यक्रम में हरे रंग में एक और कदम का स्वागत किया गया। छात्रों और शिक्षक ने मिलकर इसके लिए काम किया।

स्वाच्छता रजिस्टर

एक स्वाच्छता रजिस्टर रखा गया, और कुछ शिक्षकों को स्वच्छ्ता समिति में शामिल किया गया था, विंडो फलक, डस्क, डस्ट बिन, स्टाफ़रूम टॉयलेट, छात्र के शौचालय आदि द्वारा अपने क्लास रूम की साफ-सफाई के बारे में दैनिक रिपोर्ट जैसे कर्तव्यों की निगरानी करेंगे।

"एकल प्लास्टिक आइटम का उपयोग न करें"

“एकल उपयोग प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग भी जागरूकता कार्यक्रमों जैसे मीम्स, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग और नारा लेखन गतिविधियों के माध्यम से कम से कम किया गया था। इन गतिविधियों के पीछे मुख्य मकसद स्कूल को साफ और हरा-भरा बनाना था।

हमारे विद्यालय के CCA विभाग ने प्रति कक्षा कार्यक्रम में एक संयंत्र का आयोजन किया था जिसमें प्राथमिक और माध्यमिक विंग सहित प्रत्येक वर्ग को एक फलदार पेड़ या सजावटी पौधे लाने के लिए कहा गया था और एक रोल नंबर नाम देने और असाइन करने के लिए कहा गया था और हरियाली की दिशा में एक उपाय के रूप में कक्षा रजिस्टर में नोट किया गया था।

विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं ने नारा, नारा, तख्तियां लगाईं।

"1 लीटर रोज़ बचाओ" हमारे विद्यालय में 1 लीटर पानी बचाने और पानी की बर्बादी से बचने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए एक और अभियान शुरू किया गया था।

हमारा स्कूल **जीएसपी ऑडिट** में भी पंजीकृत था और वायु, जल, भूमि और अपशिष्ट ऑडिट पूरा किया और नारंगी स्तर (35-49.9%) और डिजिटल प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

हरित और स्वच्छ विद्यालय बनाने में ये हमारे छोटे कदम हैं।